Module-1 Comparative Cost Theory of International Trade

डेविड रिकार्डो ने तुलनात्मक लागत का सिद्धान्त पेश किया है। रिकार्डो का तुलनात्मक लागत सिद्धान्त श्रम के मूल्य सिद्धान्त पर आधारित है। यह सिद्धान्त स्पष्ट करता है कि वस्तुओं का मूल्य उसमें निहित श्रम से आंका जाता है और वस्तुओं का परस्पर विनिमय उन वस्तुओं के उत्पादन में लगे हुए श्रम के आधार पर होता है। जिन वस्तुओं का मूल्य समान होता है उनको बनाने में श्रम की समान मात्रा लगती है। इस प्रकार रिकार्डो ने वास्तविक लागत को श्रमिक समय के रूप में व्यक्त किया है। दूसरे शब्दों में यह कह सकते हैं कि किसी वस्तु का मूल्य उसकी श्रम लागत पर निर्भर रहता है।

रिकार्डो की यह मान्यता है कि दो देशों में मूल्यों की प्रवृत्ति समान होने की नहीं होती है। क्योंकि इन देशों में उत्पत्ति के साधनों में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर गतिशीलता नहीं पायी जाती। ऐसी हालत में वस्तुओं का आयात निर्यात किस आधार पर होगा। रिकार्डो का कहना है कि यह तुलनात्मक लागत के आधार पर होता है।

मान्यताएं — रिकार्डो द्वारा प्रतिपादित सिद्धान्त कुछ मान्यताओं पर आधारित है जो निम्न प्रकार से हैं।

(1) व्यापार करने वाले केवल दो देश हैं जिनमें दो वस्तुओं का विनिमय होता है।

(2) दोनों ही देशों में दोनों ही वस्तुओं का उत्पादन किया जा सकता है।

(3) श्रम ही उत्पत्ति का सबसे महत्वपूर्ण उत्पादक साधन है तथा अन्य साधनों को श्रम में ही समाहित मान लिया जाता है।

(4) दोनों देशों में वस्तु विनिमय होता है तथा विनिमय में मुद्रा का प्रयोग नहीं किया जाता है।

(5) इस सिद्धान्त में मूल्य के श्रम सिद्धान्त को माना गया है जिसे वास्तविक लागत का सिद्धान्त कहा जाता है। वस्तुओं का विनिमय इस आधार पर होता है कि उनके उत्पादन में कितने दिन का श्रम लगता है।

(6) यह सिद्धान्त इस मान्यता पर आधारित है कि दोनों देशों में उत्पत्ति के साधनों को पूर्ण रोजगार प्राप्त है।

(7) यह सिद्धान्त यह मानकर चलता है कि दोनों देशों में स्थिर लागत अनुपात के अन्तर्गत उत्पादन होता है।

(8) इस सिद्धान्त की यह भी मान्यता है कि देश में उत्पत्ति के साधनों में पूर्ण गतिशीलता रहती है किन्तु दो देशों के बीच इन उत्पत्ति के साधनों की गतिशीलता का पूर्ण अभाव रहता है।

(9) दो देशों के बीच अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में कोई रोक टोक नहीं होता है। अतः वस्तुओं और सेवाओं का विनिमय आजादी से होता है।

Scanned with CamScanner

(10) रिकार्डो का सिद्धान्त इस मान्यता पर आधारित है कि इसमें कोई परिवहन लागत नहीं लगती है।
उपर्युक्त मान्यताओं के आधार पर अब हम इस सिद्धान्त की व्याख्या करेंगे।

तुलनात्मक लागत सिद्धान्त के अनुसार अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार इसलिए होता है कि विभिन्न देशों को भिन्न भिन्न वस्तुओं के उत्पादन में अलग अलग लाभ होता है। इन विभिन्न लाभों को निर्धारित करने में देश के आर्थिक साधनों का महत्वपूर्ण हाथ होता है जैसे अनुकूल जलवायु, अनुकूल माँग, कच्चे माल की पर्याप्त पूर्ति इत्यादि।

रिकार्डो ने इसकी व्याख्या इस प्रकार की है "दो व्यक्ति हैं और वे दोनों ही जूते तथा टोप बना सकते हैं तथा इनमें एक व्यक्ति दूसरे की अपेक्षा दोनों ही कामों में श्रेष्ठ है परन्तु टोप बनाने में वह अपने प्रतियोगी से 20 प्रतिशत और जूते बनाने में 33 1/3 प्रतिशत अधिक कुशल है। क्या यह दोनों व्यक्तियों के हित में नहीं होगा कि कुशल व्यक्ति केवल जूता बनाये तथा दूसरा व्यक्ति केवल टोप बनाने का कार्य करें। जेकब वाइनर के अनुसार "यदि स्वतंत्र व्यापार होता है तो प्रत्येक देश दीर्घकाल में उन वस्तुओं के उत्पादन और निर्यात में विशिष्टीकरण प्राप्त कर लेता है जिनके उत्पादन में उसे वास्तविक लागतों के सन्दर्भ में तुलनात्मक लाभ होता है तथा उन वस्तुओं का आयात करता है जिनका देश में उत्पादन वास्तविक लागतों के सन्दर्भ में तुलनात्मक रूप से अलाभदायक होता है। इस प्रकार का विशिष्टीकरण आपस में व्यापार करने वाले देशों को लाभदायक होता है"।

बेस्टेवल ने तुलनात्मक लागत सिद्धान्त को निम्न प्रकार से बताया है "एक डाक्टर बागवानी का कार्य माली से अधिक कुशलता से कर सकता है परन्तु वह डाक्टरी में और भी अधिक कुशल हो सकता है। उसे सबसे अधिक लाभ उसी समय होगा जब वह केवल डाक्टरी का ही कार्य करे। इसी प्रकार एक देश दूसरे देश की अपेक्षा कुछ वस्तुएं सस्ती बना सकता है पर उस देश को सबसे अधिक लाभ उसी समय होगा जब वह केवल ऐसी वस्तुओं का उत्पादन करे जिनमें उसे दूसरे की अपेक्षा सर्वाधिक तुलनात्मक लाभ प्राप्त हो"। मार्शल के अनुसार "यदि ऐसी वस्तुओं को जिनका उत्पादन देश में किया जा सकता है विदेशों से स्वतंत्र आयात किया जाता है तो वह इस बात का सूचक है कि इन वस्तुओं को देश में उत्पादन करने में जो लागत होती है उसकी अपेक्षा इन वस्तुओं को विदेशों से अन्य वस्तुओं के बदले में मांगने में कम लागत लगती है"।